LJ-1057

B.A. (Part-II)

Term End Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएं

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

[*Minimum Pass Marks* : 25

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) दुहाई परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ! अरे यहाँ बड़ा ही अन्धेर है, अरे गुरुजी महराज का कहा मैंने न माना उसका फल भोगना पड़ा। गुरुजी कहाँ हो! आओ, मेरे प्राण बचाओ, अरे मैं बे अपराध मारा जाता हूँ।

अथवा

चूरन सभी महाजन खाते। जिसमें जमा
हजम कर जाते॥

चूरन खाते लाला लोग। जिसकी अकिल
अजीरन रोग॥

चूरन खावे एडिटर जात। जिसके पेट पचै
नहिं बात॥

चूरन साहब लोग जो खाता। सारा हिन्द
हजम कर जाता॥

चूरन पुलिस वाले खाते। सब कानून हजम
कर जाते॥

ले चूरन का ढेर, बेचा टके सेर॥

(ख) "बैर क्रोध का आचार या मुरब्बा है, जिससे हमें दुःख पहुँचा है उस पर यदि हमनें क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक टिका रहा तो वह बैर कहलाता है। इस स्थायी रूप में टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है, पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक हुआ करती है।"

अथवा

"यहाँ अपनी जगह ठहरे रहने के लिए आदमी को दौड़ लगाना पड़ता है और सामने वाले आदमी के पास पहुँचने के लिए पीछे की ओर मुड़कर चलना पड़ता है। अपने वर्तमान को अतीत बनाने की निर्ममता मैं नहीं सीख पाया, मेरी यह कमजोरी है। मैं ठेठ गाँव का आदमी हूँ, इसको जबरन झुठलाने की कोशिश नहीं करता यही मेरी अतीत जीविता है।"

(ग) देखो आदमी के सामने बड़ी समस्या यह है कि वह अपनी बची खुची शक्ति किस तरह काम में लाए? आदिम जंगलीपन से लेकर आज तक की सभ्यता तक जो कुछ भी आदमी ने अपने को दुखी व सुखी बनाने के लिए किया है, वह इस शक्ति को काम में लाने के लिए। फिर दुख या सुख तो इतनी ठोस चीजें हैं कि एक दिन तुम देखोगी कि शीशियों में बिका करेंगी। शीशियों में।

अथवा

''राजनाथ – यह तुमने कहा, जिसने इससे अच्छे दिन कभी देखे नहीं पर मैं जो सब देख चुका हूँ, कभी नहीं कहता कि मेरे दिन बुरे हैं। जिस युग की हम उपज थे, जब वह चला गया तो उसकी उपज कब तक टिकती है? राज्य मिट जाते हैं। बड़े से बड़े वीर और ज्ञानी किसी दिन मरते हैं, पर उनकी लौ जलती रहती है। व्यक्ति और मनुष्यता का मान यह लौ है। तुमने बुरे दिन की बात कही और वह दया से पिघल उठा। जहाँ किसी भी रूप में दया की माँग है, वहाँ व्यक्ति मर जाता है, जीता नहीं।''

2. 'अंधेर नगरी' में भारतेन्दु जी की देश भक्ति और जागरूकता का स्वर प्रधान है। समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित 'वसन्त' शीर्षक निबन्ध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. डॉ० रामकुमार वर्मा द्वारा लिखित एकांकी 'औरंगजेब की आखरी रात' की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर श्री लक्ष्मीनारायण मिश्र की कृत 'एक दिन' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(*i*) राहुल सांकृत्यायन की भाषा – शैली की विशेषताएँ लिखिए।

(*ii*) महादेवी वर्मा के प्रकृत चित्रण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(*iii*) हबीब तनवीर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(*iv*) हबीब तनवीर की साहित्य की विशेषताएँ संक्षेप में बताइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(*i*) नाट्यशास्त्र की रचना किसने की है?

(*ii*) 'अन्धेर नगरी' के रचनाकार का नाम बताइए।

(*iii*) 'क्रोध' किस प्रकार का निबन्ध है?

(*iv*) 'वसन्त' निबन्ध के लेखक का नाम लिखिए।

(*v*) हिन्दी के किन्हीं तीन निबन्धकारों के नाम लिखिए।

(*vi*) महादेवी वर्मा द्वारा रचित किन्हीं तीन कृतियों के नाम लिखिए।

(*vii*) विद्यापति मिश्र द्वारा रचित किन्हीं दो निबन्ध संग्रह का नाम लिखिए।

(*viii*) आधुनिक युग के जनक?

(*ix*) डॉ० रामकुमार वर्मा द्वारा रचित किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(*x*) एक दिन एकांकी के प्रमुख पात्र कौन हैं?

(*xi*) 'मम्मी ठकुराइन' के लेखक कौन हैं?

(*xii*) राहुल सांकृत्यायन के बचपन का नाम क्या था?

(*xiii*) हबीब तनवीर किस विधा से सम्बन्धित थे?

(*xiv*) विद्यानिवास मिश्र का जन्म कहाँ हुआ था?

(Continued)

(*xv*) 'चरणदास चोर' के नाटककार का नाम लिखिए।

(*xvi*) सुन्दर लाल किस एकांकी का पात्र है?